विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 5 से 11 मार्च 2026 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 42 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

जीवन में जो पत्नी अपने आदर्श संस्कारों वाले पति का सम्मान नहीं कर सकती है, वह दुनिया में किसी का सत्कार नहीं कर सकती है. उसी तरह जो पति अपनी पत्नी का सम्मान नहीं कर सकता है, वह दुनिया में अन्य किसी महिला का सम्मान नहीं कर सकता है. बचपन के संस्कार यह तय करते हैं. बच्चों को पढ़ाने के साथ जीवन में गढ़ाने के लिए संस्कार देने का काम करने वाले माता-पिता पर कभी वृद्धाश्रम जाने की नौबत नहीं आती.

खुश खबरी, अब रूस से तेल खरीद सकेगा भारत

नई दिल्ली-मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच भारत में तेल संकट का खतरा मंडरा रहा है. इस बीच भारत को लेकर अमेरिका ने अहम फैसला लिया है. अमेरिका ने भारत को रूसी तेल खरीदने की 30 दिन की अस्थायी छूट दे दी है.दरअसल, जो अमेरिका भारत पर रूसी तेल आयात कम करने का दबाव बना रहा था, उसी अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने अब भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने की इजाजत दे दी है. इससे समुद्र में अटके उन रूसी टैंकरों (तेल जहाजों) को राहत मिलेगी, जिनके खरीददार नहीं मिल रहे थे.समुद्र में क्यों खड़े थे टैंकर-समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, रूस के तेल टैंकर समुद्र में इसलिए खड़े थे क्योंकि नए अमेरिकी प्रतिबंधों और भुगतान, बीमा की अनिश्चितता की वजह से उनका तेल तुरंत उतारा नहीं जा रहा था. अमेरिकी की तरफ से रूसी तेल टैंकरों पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया था. जिसके चलते कई जहाजों के बीमा, भुगतान और पोर्ट एंट्री पर सवाल खड़े हो गए. अमेरिका के हरी झंडी देने से बड़ी राहत मिली है.

बेलोरा हवाई अड्डे का विकास हुआ तेज

नाईट लैंडिंग के काम के साथ ही यहां से बड़े शहरों के लिए हवाई सेवा का प्रयास जारी

विदर्भ स्वाभिमान, 4 मार्च

मुंबई/अमरावती- विदर्भ में दूसरे सबसे बड़े शहर के रूप में अमरावती का उल्लेख किया जाता है लेकिन दुर्भाग्यवश स्थानीय कुछ नेताओं के अहंकार और समन्वय तथा एकता के अभाव में जितनी प्रगति होनी चाहिए थी, उतनी नहीं हो पाई है. अगर यह स्थिति रहती तो रेलवे, हवाई सेवा के मामले में भी अमरावती सबसे आगे रहता था. नागपुर से आधा भी विकास अगर अमरावती जिले का हो जाए तो निश्चित ही यहां पर रोजगार के अपार साधन पैदा हो सकते हैं. हमारे यहां शिक्षा संस्थाओं की संख्या बढ़ रही है लेकिन इनमें पढ़ने वाले युवाओं को अपने माता-पिता को छोड़कर नौकरी

की तलाश में दूसरे स्थान पर जाने की मजबूरी है. अमरावती के बेलोरा हवाई अड्डे से फिलहाल अमरावती-मुंबई की उड़ान सप्ताह में 4 दिन शुरू है. लेकिन यह खुशी की बात है कि नाइट लैंडिंग को हरी झंडी मिलने के साथ ही इसका काम तेजी से चल रहा है. इससे आगामी समय में यहां से नाइट लैंडिंग की व्यवस्था शुरू हो जाएगी.

बेलोरा हवाई अड्डे के प्रबंधक गौरव उपसाम के मुताबिक हवाई अड्डे के विकास के लिए महाराष्ट्र हवाई अड्डा विकास प्राधिकरण की प्रबंध निदेशक स्वाती पांडे के मार्गदशन में काम चल रहा है.नाईट लैंडिंग व्यवस्था के साथ ही यहां से पुणे, हैदराबादद तथा अन्य शहरों के लिए हवाई सेवा शुरू करने के बारे में भी प्रयास किया जा रहा है.

जिले के सभी विधायकों द्वारा एक मत होकर अगर सरकार पर दवाब बनाया जाए तो हवाई अड्डे के विकास के साथ ही अन्य कई कार्य भी तेजी से हो सकते हैं. हवाई अड्डे से शहरों के लिए सेवा शुरू होने के बाद निश्चित तौर पर बड़े उद्यमियों को आकर्षित करने तथा औद्योगिक विकास को भी गति मिल सकता है. उम्मीद है सभी नेताओं द्वारा सहयोग किया जाएगा.

अमेरिका-इरान युद्ध का विश्व अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा असर,भारत भी परेशान

विदर्भ स्वाभिमान, 4 मार्च

मुंबई-भारतीय एयरलाइनों ने पश्चिम एशिया में फंसे भारतीय यात्रियों को वापस लाने के लिए बुधवार को 58 उड़ानों का संचालन करने की पहल की है, जबकि अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के कारण पश्चिम एशिया का अधिकांश क्षेत्रीय एयरस्पेस बंद या प्रतिबंधित है. इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमले से सैकड़ों लोगों की जान जा रही है. वहीं इस युद्ध का भारतीय अर्थव्यवस्था सहित विश्व अर्थ व्यवस्था पर भी असर पड़ने का खतरा पैदा हो गया है.

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा- भारतीय एयरलाइनों ने 4 मार्च को 58 उड़ानें भेजीं, जिसमें 30 उड़ानें इंडिगो ने और 23 एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस की हैं. एअर इंडिया ने जेद्दा से दिल्ली और मुंबई के लिए अपनी नियमित उड़ानें शुरू करने की योजना बनाई है.

एअर इंडिया जेद्दा से मुंबई के लिए दो उड़ानें और दिल्ली के लिए एक उड़ान संचालित करेगी. भारतीय एयरलाइनों ने प्रतिबंधित एयरस्पेस से बचते हुए लंबी दूरी और अत्यधिक लंबी दूरी की उड़ानों को वैकल्पिक मार्गों से फिर से शुरू किया जा रहा है.

एअर इंडिया, इंडिगो, स्पाइसजेट और अकासा एयर ने दुबई और फुजैराह सहित खाड़ी शहरों से कई विशेष उड़ानें संचालित करने की तैयारी की है. उड़ानें नई दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, कोच्चि, अहमदाबाद और तिरुअनंतपुरम जैसे हवाई अड्डों पर उतर रही हैं.युद्ध केकारण पूरा विश्व परेशान है.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

नवनीत राणा के त्याग को ध्यान में रखना चाहिए था

भाजपा द्वारा घोषित राज्यसभा सदस्यों के चुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची में पूर्व सांसद और भाजपा नेत्री नवनीत राणा का नाम नहीं रहना चिंता की बात है. इससे उनके समर्थकों में चिंता है. कई भाषाओं का ज्ञान रखने के साथ ही नवनीत राणा अनुभवी और लोगों की समस्याओं को जिस तरह से सदन में उठाती हैं, इसका अनुभव लोगों ने किया है. उनके जैसी नेत्री की सदन में मौजूदगी भी बहुत कुछ कहने की ताकत रखती है. अमरावती जिला विकास में पिछड़ रहा है, ऐसे में उनका सदन में होना जरूरी था. लेकिन उन्हें उम्मीदवारी नहीं मिलने से वे चिंतित होना लाजमी है. लेकिन जिले की जनता के लिए भी दुःखद है.

भाजपा द्वारा राज्यसभा चुनाव में प्रत्याशियों की घोषणा के बाद नवनीत राणा का नाम उसमें नहीं रहने से जहां कार्यकर्ताओं में चिंता है, वहीं इस मामले में नवनीत राणा द्वारा संयम के साथ प्रतिक्रिया देना काफी कुछ कहता है. उनके मुताबिक उनके जीवन में संघर्ष से उनका गहना नाता है. संघर्ष करना उनके लिए कोई नई बात नहीं है. राज्यसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी द्वारा महाराष्ट्र से चार उम्मीदवारों के नामों की घोषणा के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है. अमरावती की पूर्व सांसद नवनीत राणा का नाम संभावित दावेदारों में प्रमुखता से लिया जा रहा था. समर्थकों को उम्मीद थी कि उन्हें राज्यसभा भेजा जाएगा, लेकिन घोषित सूची में उनका नाम शामिल नहीं किया गया.टिकट न मिलने के बाद नवनीत राणा ने सोशल मीडिया पर चार पंक्तियों का संदेश साझा कर अपनी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने लिखा, संघर्ष करना मेरे लिए नई बात नहीं है, मैं किसी भी मोड़ से नई शुरुआत कर सकती हूं.

उनके इस संदेश को राजनीतिक हलकों में भावनात्मक प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है. समर्थकों के बीच निराशा का माहौल है, वहीं राणा के बयान को उनके आत्मविश्वास और संघर्षशील स्वभाव का प्रतीक माना जा रहा है. भाजपा की ओर से घोषित नामों को सामाजिक संतुलन और संगठनात्मक रणनीति का हिस्सा बताया जा रहा है. हालांकि, नवनीत राणा को भविष्य में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है. विधानसभा चुनाव के अलावा विभिन्न चुनावों में वे भाजपा की सेवा में सदा तत्पर रहती है. मल्टी टैलेंटेड महिला नेत्री रहने के कारण स्वयं राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा नेतृत्व द्वारा उन पर दूसरे राज्यों में भी प्रचार की जिम्मेदारी डाली गई है. इसके बाद भी राज्यसभा चुनाव में उन्हें उम्मीदवारी नहीं मिलने से समर्थकों में चिंता है. लेकिन जिस तरह से वरिष्ठों के साथ उनका गुडविल है, ऐसे में उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी देने से इंकार नहीं किया जा सकता है. भाजपा नेताओं द्वारा स्थानीय स्तर पर कई बार उनके खिलाफ बयानबाजी और अन्य बातोंं का फर्क तो नहीं पड़ा है, इस तरह की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए आगामी दिनों में नवनीत राणा के मामले में भाजपा प्रदेश तथा राष्ट्रीय नेतृत्व क्या फैसला लेता है. फिलहाल तो नवनीत राणा का जुझारूपन सभी को दिखाई दे रहा है. विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने भाजपा की जीत के लिए अपनी पूरी ताकत लगाई थी, उसके नतीजे भी बेहतरीन रहे थे, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता है. दिल्ली में जिले की दमदार नेतृत्व की जरूरत को ध्यान में रखते हुए उन्हें मौका दिया जाना चाहिए था. लेकिन ऐसा नहीं होना चिंताजनक है.

शर्तों में पिसते अधिकारी-कामगार

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

अमरावती शहर का यह सौभाग्य कहें या दुर्भाग्य कि मनपा को लेकर सदा विवाद की स्थिति रही है. विशेष रूप से साफ-सफाई का विषय खतरनाक बनता जा रहा है. सात लाख से अधिक आबादी के कारण यहां पर स्थिति यह है कि लोगों का समाधान नहीं किया जा सकता है. मुझे लगता है कि मनपा में सफाई ठेके को लेकर जितना विवाद, जितनी गड़बड़ियां हुई होंगी, उसकी तुलना में शायद ही कहीं हों. वर्ना लाखों रूपए प्रति प्रभाग पर खर्च होने के बाद भी ऐसा क्या है कि साफ-सफाई को लेकर लोगों को चिल्लाना पड़ता है. यह समस्या लोगों के लिए सिरदर्द बन रही है.

यह स्थिति पिछले 9 साल से कायम है.प्रशासक राज में तो स्थिति खतरनाक हो गई थी. मनपा का चुनाव होने के बाद अब कम से कम लोगों को नगर सेवकों को पकड़ने और अपना दुःख दर्द बताने का अधिकार मिला है, नगर सेवक भी लोगों की शिकायत को गंभीरता से लेते हैं और साफ-सफाई के मामले में गंभीरता से बातचीत करते हुए समाधान का प्रयास करते हैं. लेकिन प्रभाग प्रणाली रहने से और कामगारों

की संख्या सही है या नहीं है या कम कामगार को भी ज्यादा बताते हुए कुछ गड़बड़ी की जा रही है, यह जानना प्रशासन का काम है. लेकिन इतना तय है कि अगर स्वच्छता ठेके के दौरान की जाने वाले नियम और शर्तों का सचमुच ठेकेदार तथा संबंधित विभाग द्वारा पालन किया जाएगा तो निश्चित ही अमरावती को इंदौर जैसा आदर्श शहर बनने में समय नहीं लग सकता है. लेकिन वर्तमान में जिस तरह से सफाई को लेकर नगर सेवक से लेकर स्वच्छता अधिकारी, एसआई, सुपर वाइजर और सफाई कामगारों पर तनाव की स्थिति देखी जाती है, वह निश्चित ही हैरत वाली है. लोगों द्वारा स्वयं अनुशासन का पालन नहीं किया जाना भी नालियों की सफाई में बड़ी समस्या है. लेकिन हैरत की बात यह है कि स्वयं लोगों द्वारा ही कचरा नाली में डाला जाता है और ब्लॉक किया जाता है. लोगों को भी मनपा प्रशासन को सहयोग देने की भूमिका पर चलते हुए कचरा घर के पास की नाली में डालने से बचना चाहिए. दुर्भाग्य की बात जब शिकायत करने वालों द्वारा ही कचरा नाली में डाली जाता है तो समस्या बढ़ती है. नाली की सफाई शिकायत के बाद की जाती है लेकिन कचरा तत्काल उठाने की बजाय नाली के साइड में रखा जाता है और बाकी काम बड़ी संख्या में सुअर करते हैं.क़चरा मामले में वरिष्ठ कनिष्ठ और कनिष्ठ अपने से छोटे कामगार पर जिम्मेदारी डालकर मुक्त होने वाली स्थिति है.

दिलदार यार, संवेदनशील अधिकारी हैं भूषण पुसतकर

ज़न्मदिन पर विशेष, संघर्ष से जूझकर सफलता तक का सफर है सराहनीय

क़हते हैं कुछ लोगों का स्वभाव ही उनका प्रभाव बढ़ाता है. वह जनता के साथ ही वरिष्ठों के भी लाड़ले होते हैं. ऐसे ही अधिकारी हैं मनपा के राजापेठ झोन के सहायक आयुक्त, यारों के यार और नेक कामों में सदा आगे रहने तथा सहयोग करने वाले भूषण पुसतकर. जीवन में संघर्ष से कामयाबी तक का सफल उन्हों ने हासिल किया है. वे कहते हैं कि जितना बन सके, उतना सहयोग करने की मानसिकता रखने के बाद सब कुछ आसान हो जाता है. वे कहते हैं कि शतप्रतिशत समाधान नहीं किया जा सकता है लेकिन अगर अच्छा भाव है तो हर व्यक्ति को समुचित सहयोग देकर विनम्रता के साथ हैंडल करना कठिन भी नहीं है. पिछले 20 साल से उन्हें करीब से देखने का मौका मिला, ऐसे में संवेदनशील व्यक्ति और अधिकारी दोनों ही भूमिकाओं में वे बेहतरीन रहे हैं. यही कारण है कि मीडिया का हर व्यक्ति भी उन्हें अच्छी तरह से जानता है और वे भी सदैव सहयोग करते हैं.

अमरावती महानगरपालिका के सहायक आयुक्त के रूप में कार्यरत भूषण पुसतकर एक सक्रिय और कर्तव्यनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं. उन्होंने शहरी प्रशासन, स्वच्छता अभियान, अतिक्रमण नियंत्रण, कर वसूली तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़े विभिन्न विभागों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं. इस दौरान लोगों का प्रेम जीतने में भी सफल रहे हैं. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

भूषण पुसतकर का संबंध महाराष्ट्र से है. उन्होंने स्नातक स्तर तक शिक्षा प्राप्त की तथा प्रशासनिक सेवा में आने के बाद नगर प्रशासन से जुड़े विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेकर अपनी कार्यक्षमता को सुदृढ़ किया. सहायक आयुक्त के रूप में उनके काम की छाप दिखाई देती है.

अमरावती मनपा में सहायक आयुक्त के रूप में उन्होंने जहां मनपा की शान बढ़ाने में योगदान दिया है, वहीं अनुशासन प्रिय अधिकारी के साथ ही सहयोगियों से काम किस तरह करवाना चाहिए, इस विषय को भी बेहतरीन तरीके से संभाला है.शहर में स्वच्छता और सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई,राजस्व वसूली में सुधार,नागरिक शिकायतों के त्वरित निवारण तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.वे नियमित रूप से क्षेत्रीय निरीक्षण कर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के लिए जाने जाते हैं.सहायक आयुक्त भूषण पुसतकर अनुशासित, पारदर्शी और जनहितैषी कार्यशैली के लिए पहचाने जाते हैं. वे नागरिकों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को प्राथमिकता से सुलझाने पर जोर देते हैं. नगर सेवकों से लेकर मनपा आयुक्त तथा अन्य वरिष्ठों से भी उनके सहयोग की चर्चा होती है. लोगों की समस्याओं को हल करने के साथ ही प्रशासनिक दक्षता और जनसेवा की भावना के साथ भूषण पुसतकर अमरावती शहर के विकास और समस्याओं के निराकरण के माध्यम से लोगों के दिलों में रहते हैं. उनके जन्मदिन पर हमारी मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं, वे स्वस्थ रहें,मस्त रहें, भोलेनाथ के चरणों में यही कामना.

अंत में

हर दिन से प्यारा लगता है हमें ये खास दिन,
जिसे बिताना नहीं चाहते आप बिन।
वैसे तो दिल देता है सदा ही दुआ आपको,
फिर भी कहते हैं मुबारक हो जन्मदिन आपको

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

होली खेलई रघुवीरा, अमरावती से धौरहरा गांव तक ऐसा रहा

छाया कॉलोनी के साथ ही धौरहरा में भी रंगपंचमी के त्यौहार पर छाया जुनून, सैकड़ों ने लिया सहभाग

विदर्भ स्वाभिमान, 4 मार्च
अमरावती/प्रतापगढ़

शहर के साथ ही देश में होली तथा रंगपंचमी का पर्व अत्याधिक उत्साह के साथ मंगलवार को मनाया गया. इस दौरान बच्चों से लेकर युवाओं तथा बुजुर्गों में जिस तरह से उत्साह देखा गया, उसकी चित्रों में सभी मुस्कराहट साबित करती है. शहर में छाया कॉलोनी में विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय के सामने बड़े पैमाने पर रंगों के पर्व को उत्साह से मनाया गया. इसी तरह शहर के अलावा प्रतापगढ़ जिले की पट्टी तहसील के धौरहरा में भी रंगपंचमी का पर्व मनाया गया था. किसी दुःखद हादसे के कारण रंगपंचमी का कार्यक्रम लेना पचास साल से बंद था लेकिन इसी दिन सर्वे श दुबे की गौमाता द्वारा गौमाता को जन्म देने के बाद से पचास साल से बंद यह पर्व शुरू किया गया है. जबकि छाया कॉलोनी मैं रंगपंचमी का पर्व इस तरह मनाया गया कि आसपास के लोगों में भी जबर्दस्त उत्साह था.

इस सामुहिक होली तथा रंगपंचमी के कार्यक्रम में पंकज महाजन, सुभाष दुबे, सागर रंधवे, आशीष ठोंबरे, राजेश बनारसे, भावना बनारसे, वीणा दुबे, चेतना रंधवे, श्वेता दुबे, स्वराज ठोंबरे के साथ ही असंख्य लोगों ने भाग लेकर उत्साह जबर्दस्त तरीके से बांटा. इस दौरान सभी के चेहरे पर उत्साह दिखाई दे रहा था.

धौरहरा में भी उत्साह

इसी तरह उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले की पट्टी तहसील के अमरगढ़ के अंतर्गत आने वाले दलापांडे धौरहरा निवासी दुबे परिवार में पचास साल के लंबे अंतराल के बाद रंगपंचमी का पर्व मनाया गया. इस समय परिवार के प्रमुख शिवप्रसाद, राधेश्याम, सुनील, सर्वे श दुबे के साथ ही भतीजे ऋषिकेश दुबे के साथ ही प्रिंशू सहित तृप्ती और अन्य सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए. कुल मिलाकर रंगपंचमी की खुशियां अपार उत्साह केसाथ ही विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए मनाया गया. हमेशा की तरह कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अमरावती में पंकज महाजन, सागर रंधवे, श्वेता दुबे, वंशिका, नीलम ठोंबरे, सुमित इसासरे, आशीष ठोंबरे, चेतना रंधवे, नंदिनी, पिहू सहित सभी ने प्रयास किया. देश भर में होली तथा रंगपंचमी का पर्व उत्साह के साथ मनाया गया. मुंबई तथा सभी शहरों से होली तथा रंगपंचमी का पर्व उत्साह केसाथ मनाया गया. कुल मिलाकर रंगों का यह पर्व लाखों-करोड़ों लोगों को खुशियां देने वाले थे. सभी में अपार उत्साह वाली स्थिति थी.

वाढदिवसाच्या आभाळभर शुभेच्छा.

आपल्या सर्व इच्छा आकांक्षा, इच्छित मनोकामना पूर्ण होवोत आणि आपणास निरामय आरोग्य लाभो हीच ईश्वर चरणी प्रार्थना.

शुभेच्छुक

असंख्य मित्र परिवार, विदर्भ स्वाभिमान परिवार, डॉ. अजय बोंडे, सुभाष दुबे तथा सैकड़ों मित्र

विदर्भ स्वाभिमान

मानव सेवा,राष्ट्र धर्म होना चाहिए सभी की प्राथमिकता

होटल रामगिरी इंटरनेशनल के प्रबंध संचालक सुनील जयस्वाल का प्रतिपादन

विदर्भ स्वाभिमान, 4 मार्च

अमरावती- जीवन में परमार्थ के साथ ही मानव सेवा का भाव, माता-पिता के प्रति सम्मान, मेहनत,लगन तथा समर्पण रहने के बाद कामयाबी मिलती ही है. मानव सेवा के साथ ही सभी के लिए राष्ट्रधर्म पहली प्राथमिकता होनी चाहिए. राष्ट्र सुरक्षित और मजबूत रहने पर ही देश विकास की ओर आगे बढ़ता है. इस आशय का मत सुख्यात व्यवसाय, होटल रामगिरी इंटरनेशनल ग्रुप के प्रबंध संचालक सुनील जयस्वाल ने किया. अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में बातचीत करते हुए उक्त बात कही. युवाओं को व्यसन से मुक्त रहकर परिवार,समाज तथा राष्ट्र के विकासार्थ अपना योगदान देने का आग्रह किया.

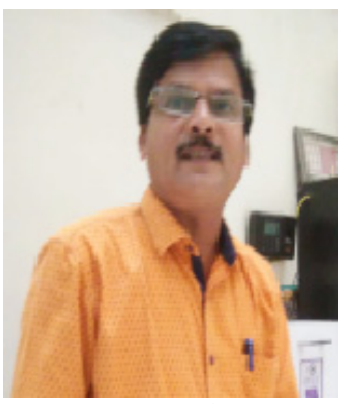

उनके मुताबिक जिस देश ने हमें मान,सम्मान, सुरक्षा के साथ जीवन जीने और जीवन में आसमानी बुलंदी प्राप्त करने का मौका दिया है, उस देश की मिट्टी से कोई कभी कर्जमुक्त नहीं हो सकता है. जिम्मेदार नागरिक बनकर हमसे जितना बन सके, हमें राष्ट्र की सेवा करने का प्रयास करना चाहिए.भारत में जिस दिन 140 करोड़ भारतीयों के लिए देश प्रथम होगा, उस दिन देश की तरक्की को दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती है. राष्ट्र प्रेम से बड़ा धर्म नहीं हो सकता है.राष्ट्रभावना से ओतप्रोत रहने वाले होटल रामगिरी इंटरनेशनल के संचालक और समाजसेवी सुनील जयस्वाल ने. उनके मुताबिक राष्ट्र की सेवा का दायित्व हर उस व्यक्तिका होता है, जो हर हाल में खुश है. राष्ट्र भक्ति के साथ मानवता की सेवा से बड़ी सेवा नहीं हो सकती है. जीवन प्रभु से मिला उपहार है, लेकिन इसका हम किस तरह उपयोग करते हैं, इस पर बहुत कुछ निर्भर है. जितना संभव हो सके, उतना अच्छा करने की कोशिश करते रहना चाहिए.

जिले में उद्योग,व्यवसाय को अपार संभावना है.यही कारण है कि यहां पर उद्योगों, व्यवसायों को बढ़ावा देने की दिशा में अगर प्रयास किया जाए तो शहर के साथ ही जिले का विकास भी तेज होगा. रोजगार के व्यापक मौके मिलेंगे. व्यवसायी के साथ ही समाजसेवी एवं धार्मिक कामों में भी अग्रणी रहने वाले सुनील जायस्वाल सामाजिकतथा धार्मिक कार्यों में भी सदा आगे रहते हैं. उनके मुताबिक जीवन में जितना संभव हो सके, नेक काम करने का प्रयास करना चाहिए. इससे बड़ा पुण्य दूसरा नहीं हो सकता है. उनके नेतृत्व वाले होटल रामगिरी इंटरनेशनल होटल ग्रुप द्वारा जहां कामयाबी का इतिहास रचा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर आज होटल व्यवसाय ही नहीं बल्कि रेस्टांरट, खेती-किसानी के साथ ही भानखेड़ा में महादेव मंदिर संस्थान से भी जयस्वाल परिवार जुड़ा है. मिलनसार स्वभाव के धनी सुनील जयस्वाल जितने बेहतरीन व्यवसायी हैं, उतने ही अच्छे इंसान हैं. सम्पन्नता में भी सादगी, विनम्रता उनकी खूबी है. यही कारण है कि बोलने में कम, करने में अधिक विश्वास रखने वाले सुनील जयस्वाल ने हजारों मित्र परिवार तैयार किए हैं. नेक कामों में पत्नी प्रीति जयस्वाल, उच्च शिक्षित बच्चे भी पिता के कंधे से कंधा मिलाकर परिवार को ताकत प्रदान कर रहे हैं.यारों के यार सुनील जयस्वाल को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान की मंगलमय हार्दिक शुभेच्छा.

हरि से ज़ब शापग्रस्त हो लौट गए चोलराजा

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

गतांक से जारी- एक नाप, जो मण से बड़ा सुवर्ण से तथा अनेक मणि-माणिक से जटित होना चाहिए. मैं उसे हर शुक्रवार को छः घड़ियों तक धारण करूँगा. तब मेरे नेत्रों से आनंद के भाष्प निकलेंगे. उन छः घड़ियों में तमको सुख प्राप्त होगा.' श्रीहरि ने ऐसी आज्ञा दी. उसे सुनकर चोल राज शापग्रस्त होकर लौट गए. तब श्रीहरि बांबी में चले गए. सिर पर लगी चोट के दर्द की वे सहन नहीं कर पा रहे थे. इसलिए उन्होंने बृहस्पति का स्मरण किया. बृहस्पति गुरु वल्मीक के पास आये. उन्हें देखकर श्री हरि अपनी दीन कथा को सुनाया. हीन स्वर में हरि ने इस रूप में कहा. 'हे देव देशिक ! सादरता के साथ सुनो. काल, कर्म, ग्रहगति वश गोप ने मेरे सिर पर परशु से मारा है. इसलिए दर्द अधिक हो गया है. दर्द को करनेवाले औषध के बारे में तुरंत ही बताओ.' हरि के इस रूप में कहने पर बृहस्पति ने शांत मन से इस रूप में कहा.

'हे महात्मा ! आपके लिए काल, कर्म, ग्रहगति कैसे हो सकते हैं? आपकी महिमा को दूसरे नहीं जानते हैं. उनके बारे में आपको ही मालूम है. मुझसे पूछा इसलिए बताऊँगा. हे कमलनाथ ! एक औषध के बारे में आपको बताऊँगा. आक की रुई को दूध में भिगोकर सिर के बीच में रखने से दर्द कम हो जायेगा.' यह कहकर हरि को नमस्कार करके सुरगुरु बृहस्पति लौट गए.तब हरि गुरु के द्वारा बताये औषध को उस चोट पर लगाने की कोशिश में थे.' सूत के इस रूप में बताने पर शौनकादि ने बड़ी दया साथ सूत को देखकर इस रूप में कहा. 'हे रोम महर्षि के पुत्र तित्रिण वृक्ष का वृत्तांत, बांबी का विधान आदि के वृत्तांत को हमें बताओ कथा को सुनने की इच्छा हुई. विश्व के जनों को पैदा करके और उनकों रक्षा करनेवाले और उनका लय करनेवाले सर्वज्ञ को ऐसी महिमा सुनकर हमें मन में दुःख हो रहा है. हे महात्मा. इसे अच्छी तरह हमें बताइए.' इस रूप में उनके पूछने पर सुत ने इस रूप में बताया. 'विष्णु के चरित अतिगूढ़ हैं. विशद रूप से बताना क्या किसी को संभव है?

उस ध्वनि से कांप गए हां, बड़ा हंकार किया. इस महा हूंक ध्वनि से डरकर नारायण स्वामी एक झरमुट में छिप गये. युद्ध किए दिन इस रूप में छिपनेवाले को देखकर वराह स्वामी गर्व से अपने विका आकार के साथ दांतें निफोरते हुए वे शीघ्र ही झरमुट में घुस आए. तर श्री हरि एक कोने में दुबक कर छिप गए.

वराह और श्रीनिवास के संवाद

वैसे दुबक कर आंखों से आँसू निकालनेवाले स्वामी की दीन अवस्था को देखकर वह राक्षस नहीं है. बल्कि राक्षस का शिकार हुआ समझकर 'अकारण ही इस पर क्रोध दिखाया' मन में सोचते वराह स्वामी भी बाष्पपूरित लोचनों से उसे देखकर लीला मानुष के रूप में उसे पहचान कर पास जाकर 'मत रो' कहते हुए इस रूप में कहा. 'वेकर को छोड़कर निकल कर आने का कारण क्या है? सिरि ह्रदय पर नहीं है, यह विचित्र क्यों है? मनुष्य के आकार में क्यों हो? सिर पर चोट कैसे लगी है? अत्यंत बलवान हो, फिर भी इस रूप में दुबककर छिपने का कारण क्या है? आँखों से आँसू क्यों बहा रहे हो? मेरे हुंकार करने पर खड़े होकर बात किए बिना इस रूप में छिप जाने का कारण क्या है? तुम्हारा यह व्यवहार मुझे विचित्र लग रहा है. सच-सच बताओ.' ऐसा स्नेह से वराह स्वामी ने श्रीहरि से पूछा. तब निष्कपट भाव से दीनता में भू वराह स्वामी को देखकर श्रीहरि ने इस रूप में बताया. 'सुनो ! वराहा रूपा ! मेरा सारा वृत्तांत. सिरि को ह्रदय पर धारण करके मैं वैकुंठ में था. तब भृगु ने मेरे वक्ष पर लात मारी. तब सिरि मेरे ह्रदय से निकल कर 'परपुरुष के पदाघात लगने के कारण मैं यहाँ नहीं रहूँगी' कहते रूठकर कोल्हापुर जाकर लक्ष्मी ने वैराग्य लिया. इसलिए पारिवारिक सुख को त्याग करके मैं आपके पास आकर इस वल्मीक में दुबक कर रह रहा हूं. मानव कल्याण के लिए जगत संचालक को भी कितना कुछ सहन करना पड़ता है. ॅ

शेष अगले अंक में

संवाददाता चाहिए

अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

मो. 9423426199/8208407139

मरीजों की बस सेवा फिर आरंभ, मिलेगी सुविधा

विदर्भ स्वाभिमान, 4 मार्च

अमरावती- जिले की चांदूर रेलवे तहसील से बंद मरीज सेवा वाली बस फिर शुरू हो गई है. इससे मरीजों को बड़ी राहत मिलने वाली है. दत्ता मेघे उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा संचालित सावंगी मेघे स्थित अस्पताल समूह के लिए चांदूर रेलवे से मरीज सेवा बस का शुभारंभ किया गया. इस सेवा से शहर और तहसील के मरीजों को उपचार के लिए जाने में सुविधा मिलेगी और उनके यात्रा खर्च में भी बचत होगी.नगर परिषद के स्वास्थ्य व शिक्षा सभापति अनिल मोटवानी ने सुबह 8 बजे बस का पूजन कर चालक सतीश भाऊ को हरी झंडी दिखाकर सेवा का शुभारंभ किया. यह बस आचार्य विनोबा भावे ग्रामीण अस्पताल, शालिनीताई मेघे सुपर स्पेशालिटी सेंटर, सिद्धार्थ गुप्ता मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल और महात्मा गांधी आयुर्वेदिक अस्पताल तक मरीजों को ले जाएगी.कोरोना काल में बंद हुई यह सेवा अब फिर से शुरू की गई है और हर महीने के गुरुवार, शुक्रवार व शनिवार को उपलब्ध रहेगी. इस अवसर पर निलेश सूर्यवंशी, गजू यादव, गुड्डू बजाज, मुन्ना शर्मा, स्पेश पुडके सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे. इस पहल से ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को स्वास्थ्य सेवाओं तक सस्ती और सुगम सुविधा मिलने की उम्मीद जताई गई है.

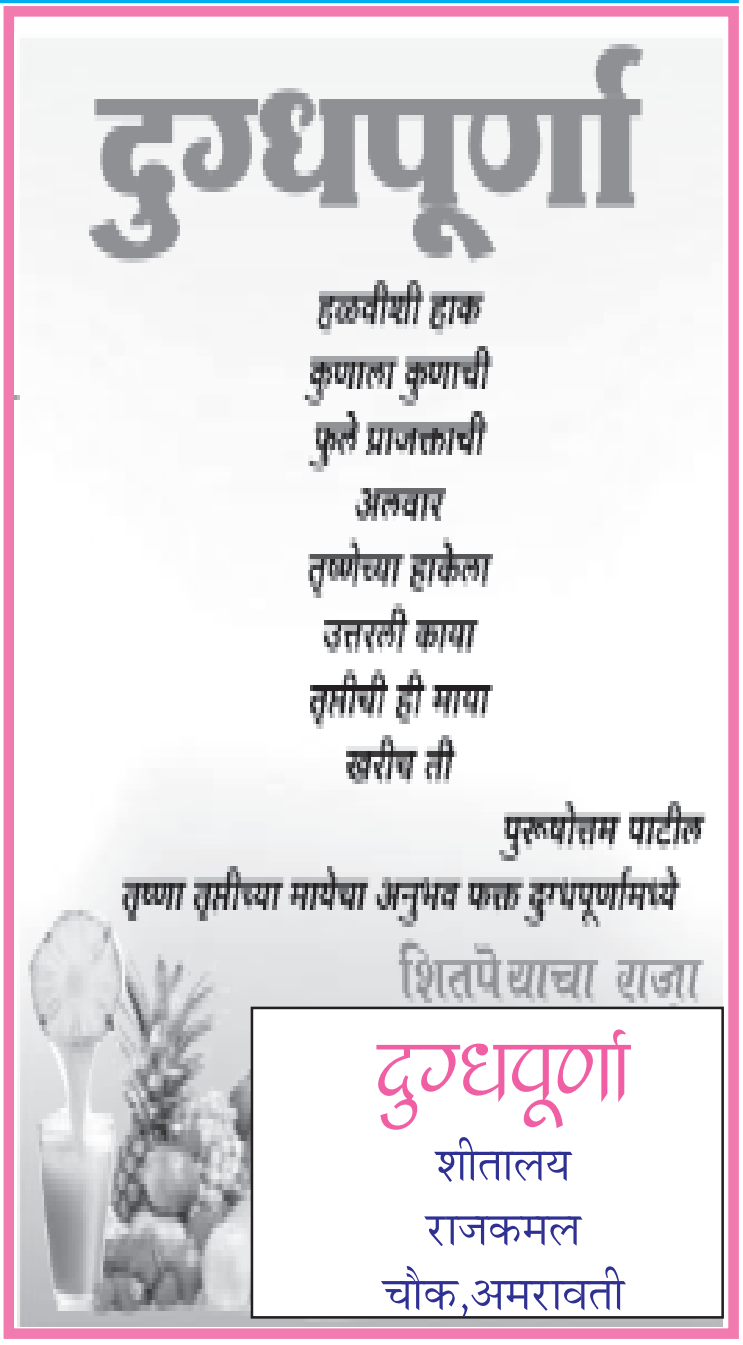

रिहायशी इलाकों में बढ़ रही वन्यजीवों की घुसपैठ

विद्यापीठ क्षेत्र के साथ ही गजानन नगर, मंगलधाम कॉलोनी में भी घुसपैठ,कई कुत्तों का शिकार

विदर्भ स्वाभिमान, 4 मार्च

अमरावती- पर्यावरण संतुलन में मानव का स्वार्थ सबसे बड़ी बाधा बन रहा है. शहर के अमरावती विद्यापीठ तथा वडाली, छत्री तालाब और पोहरा क्षेत्र में तेंदुएं की मौजूदगी के कारण क्षेत्रवासियों में जहां भय व्याप्त है, वहीं दूसरी ओर तेंदुओं ने अभी तक कई श्वान और सुअरों का शिकार किया है. घर के भीतर रहने वाले लोगों में इस घटना से भय व्याप्त है. गजानन नगर निवासी व्यक्ति के घर को चारदिवारी तथा फाटक नहीं रहने से घर के बाहर खड़े कुत्ते के पिल्ले को उठाकर ले गया. इस बारे में सीसीटीवी में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि दो तेंदुए इस घर में घुसे और एक तेंदुए ने पहले एक पिल्ले को शिकार बनाया और उसी समय दूसरा तेंदुआ भी दिखाई दे रहा था. यह पहली बार नहीं हुआ है बल्कि इसके पूर्व भी तें दुए द्वारा अन्य कई क्षेत्रों में भी हमला किया गया था.

अमरावती शहर तथा आसपास के क्षेत्रों में तेंदुए की संख्या बड़ी तेजी से बढ़ी है और इसके कारण मानव जीवन के लिए खतरा पैदा हो गया है. कुत्तों और सुअरों की संख्या में वृद्धि के कारण रिहायशी इलाके में तेंदुओं का आवागमन बढ़ा है. इस मामले में वन विभाग को गंभीरता से कदम उठाने के साथ समुचित नियोजन करना चाहिए. शहर के विद्यापीठ के साथ ही वडाली क्षेत्र में भी तेंदुए पहुंच रहे हैं, इससे क्षेत्रवासियों में भय व्याप्त है. अमरावती शहर के वडाली वनपरिक्षेत्र से सटे महादेवखोरी और आसपास की कॉलोनियों में फिर एक बार तेंदुओं की लगातार बढ़ती आवाजाही ने स्थानीय निवासियों की चिंता बढ़ा दी है. रोजाना रात होते ही चार से पांच तेंदुओं का समूह शिकार की तलाश में रिहायशी इलाकों में घूमता दिखाई दे रहा है. तेंदुओं की इस गतिविधि के कारण महादेवखोरी, गजानन नगर, गौरीशंकर नगर, मंगलधाम कॉलोनी और नीलकंठ ले-आउट जैसे क्षेत्रों में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है. वन विभाग पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए क्षेत्रवासियों ने कार्रवाई नहीं हुई तो मोर्चे की चेतावनी दी है.

गजानन नगर क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी ने लोगों की दहशत को और बढ़ा दिया. एक व्यक्ति के घर के आंगन में बैठे दो पालतू श्वान पर तेंदुए ने हमला कर दिया. इनमें से एक श्वान को वहीं मारकर छोड़ दिया गया, जबकि दूसरे को तेंदुआ उठाकर ले गया. मंगलवार 3 मार्च की रात हुई यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई. जिसके बाद बुधवार की रात भी वन क्षेत्र से सटे गजानन नगर में तेंदुआ दिखा. स्थानीय नागरिकों के अनुसार इस प्रकार की घटनाएं पिछले कुछ महीनों से लगातार सामने आ रही हैं. जंगल से सटे इन क्षेत्रों में रात 11 बजे के बाद तेंदुओं की आवाजाही आम हो गई है. कई घरों में लगे सीसीटीवी कैमरों में तेंदुए घूमते हुए साफ दिखाई दिए हैं, जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि जंगली जानवर अब बस्तियों के काफी करीब पहुंच चुके हैं. बदलते दौर में तेंदुओं की संख्या में वृद्धि निश्चित ही सराहनीय है लेकिन अगर यह मानवीय कॉलोनियों और नगरों में जाकर कुत्ते तथा सुअर का शिकार कर रहे हैं तो निश्चित तौर पर नागरिकों के लिए यह खतरे से कम नहीं है. वन विभाग को मामले को गंभीरता से लेकर समुचित कदम उठाना चाहिए.

क़ल्याण-आनंदजी ने 250 फिल्मों को दिया संगीत

नई दिल्ली-कल्याणजी और आनंदजी हिंदी सिनेमा के संगीतकारों की वह जोड़ी थी, जिसने तीन दशक तक अपनी शानदार धुनों से श्रोताओं के दिलों को सकून पहुंचाया.आज भी इनके गानों को सुनना फैंस काफी पसंद करते हैं. 2 मार्च 1933 को आनंद विरजी शाह का जन्म हुआ था और इस आधार आनंदजी की बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर हम आपको उनसे जुड़े रोचक किस्से बताने जा रहे हैं. जिसमें उनका करियर ग्राफ और नागिन फिल्म की आईकॉनिक मेरा तन डोले मन डोले की धुन भी शामिल है. कल्याणजी और आनंदजी की जोड़ी बतौर संगीतकार हिंदी सिनेमा मे एक लंबी पारी खेली थी. इन दोनों भाइयों की जोड़ी ने अपने हुनर से उस वक्त इंडस्ट्री में म्यूजिक की एक नई क्रांति का आरंभ किया.ज्यादातर फिल्ममेकर्स बतौर म्यूजिक डायरेक्टर इन दोनों सगे भाइयों को साइन करते थे. इन दोनों ने मिलकर अपने करियर में 250 से ज्यादा मूवीज के संगीत को तैयार किया था. जिनमें नागिन, उपकार, छलिया और डॉन जैसी कई फिल्मों के नाम शामिल हैं. उनके चुनिंदा पॉपुलर गाने इस प्रकार हैं.

भंगार एसटी बसों से अमरावती जिले को कब मिलेगा छुटकारा

बीच रास्ते कहीं भी पड़ती हैं बंद, हो चुकी हैं कई दुर्घटनाएं,यात्री हो चुके हैं परेशान, कोई तो दे जिले पर ध्यान

विदर्भ स्वाभिमान,4 मार्च

अमरावती-महाराष्ट्र राज्य परिवहन महामंडल की लापरवाही को लेकर जिले के यात्रियों में नाराजी देखी जा रही है. भंगार बसों के कारण कई दुर्घटनाएं होने के बाद भी महामंडल प्रशासन भंगार बसें क्यों अमरावती तथा जिले के विभिन्न बस स्थानकों के मत्थे मार रहा है, इसको लेकर हैरत जताई जा रही है.

अमरावती जिले से क्या नाराजी है, समझ से परे है. यहां पर बड़े पैमाने पर भंगार बसें दौड़ाई जा रही हैं, इससे यह कब कहां बंद हो जाएंगी, इसका भरोसा करना मुश्किल हो गया है. इस स्थिति से परतवाडा बस आगार की अव्यवस्था से यात्री परेशान हैं. आगार की कई बसें नादुरुस्त होने के कारण यात्रियों की जान को खतरा पैदा हो गया है. साथ ही परिसर में फैली गंदगी से स्वास्थ्य पर भी असर पड़ने की आशंका है. 5 मार्च को

सुबह 8 बजे परतवाडा आगार से अकोला के लिए बस रवाना होने वाली थी. बड़ी संख्या में यात्री बस का इंतजार कर रहे थे, लेकिन बस करीब सवा आठ बजे अकोला के लिए रवाना हुई.

रास्ते में बस खराब हो जाने के कारण चालक और परिचालक ने बस को अंजनगाव सुर्जी आगार में रोक दिया. इसके बाद सभी यात्रियों को दूसरी बस का इंतजार करना पड़ा. कई यात्री अकोला से ट्रेन पकड़कर दूसरे राज्यों में जाने वाले थे, जिससे उन्हें मानसिक और आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा. कुछ यात्रियों को अंजनगाव सुर्जी से ऑटो द्वारा अकोला जाना पड़ा. इस घटना से यात्रियों में भारी रोष देखा गया.नेताओं से ध्यान देने का आग्रह जिले की जनता कर रही है. भंगार एसटी बसों के कारण छात्रों के साथ ही यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है. इतना ही नहीं तो बाहर गांव जाने वाले रेलवे यात्रियों को भी तकलीफ होती है. इस समस्या का निराकरण करने के लिए जिले के जनप्रतिनिधियों तथा अन्यों से तत्काल ध्यान देने का आग्रह किया गया.

बताया जाता है कि परतवाडा आगार की कई बसों की हालत बेहद खराब है. कुछ बसों की खिड़कियों के शीशे टूटे हुए हैं तो कई की सीटें भी टूटी हुई हैं. अधिकांश बसें लाखों किलोमीटर चल चुकी हैं, फिर भी उन्हीं जर्जर बसों से यात्रियों की आवाजाही कराई जा रही है.

यात्रियों द्वारा कई बार वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद इस गंभीर समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया है. आगार प्रमुख का चालक और परिचालकों पर नियंत्रण नहीं होने से कई बार बसें ऐन वक्त पर रद्द हो जाती हैं. इससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है. यात्रियों का कहना है कि इस गंभीर समस्या पर तुरंत ध्यान देना आवश्यक है, क्योंकि जर्जर बसों से यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ रही है.

जिस घर में माता-पिता हंसते हैं,
भगवान वहीं बसते हैं

मेरे जीवन में माता-पिता की सेवा का
चमत्कार मैने अनुभव किया है.
दु:खों का कारण माता-पिता के प्रति
सही भाव नहीं होना है.
जिस घर में माता-पिता का सम्मान है,
वहीं स्वास्थ्य, सम्पत्ति, खुशियां रहती हैं.
पिता के त्याग पर आधारित मेरी किताब
धर्मदाता जिम्मेदारी और समझदारी
आगामी कुछ सप्ताह में आने वाली है.
बुकिंग के लिए संपर्क कर नेक काम में
आप भी योगदान दे सकते हैं.

संपर्क - 9423426199

धर्मदाता
जिम्मेदारी-समझदारी

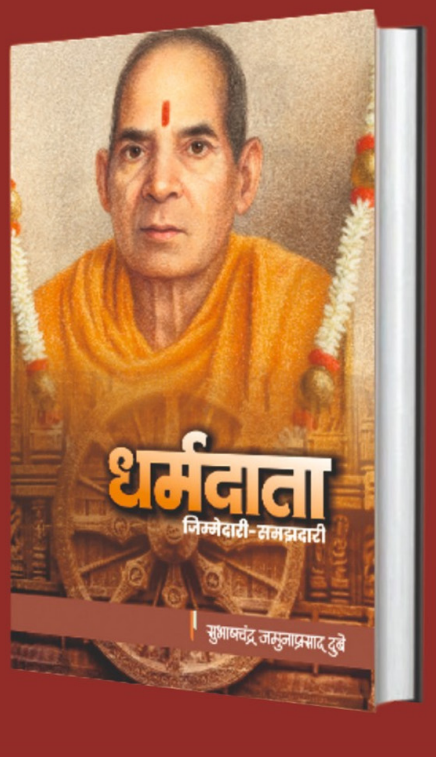

सेवा,समर्पण के साथ देवमाणूस पूरणसेठ हबलानी

सेवा,समर्पण, लगन,मेहनत के साथ ही संयुक्त परिवार को सबसे बड़ी ताकत मानने वाले पूरणसेठ हबलानी जितने सफल व्यवसायी हैं, उतने ही अच्छे सज्जन व्यक्ति हैं. स्वभाव से शांत लेकिन जीवन में अनुशासन को महत्व देते हैं. उनके जन्मदिन पर हजारों ने उन्हें शुभकामनाएं दी. सभी के प्रति उन्हों ने कृतज्ञता जताते हुए इसे ही कामयाबी का श्रेय दिया.

अमरावती ही नहीं बल्कि समूचे राज्य स्तर के व्यवसायी, आराधना फैशन्स प्रा. लि. के प्रमुख के साथ ही कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों के संचालक पूरणभैया हबलानी जितने सफलतम व्यवसायी हैं, उतने ही बेहतरीन, दिलदार और खुशमिजाज व्यक्तित्व के धनी इंसान हैं. उनकी सादगी, उनकी सम्पन्नता में भी विनम्रता का जहां परिचय करवाती है, वहीं दूसरी ओर वे संबंधों को जिस बेहतरीन तरीके से निभाते हैं.आराधना के अलावा जहां जिले की बेहतरीन एडीफाई विद्यालय का संचालन करते हैं, वहीं मां के नाम पर भवन निर्माण के क्षेत्र में भी उन्होंने शानदार कामयाबी अपने नाम कर रखी है. 28 फरवरी को उनके जन्मदिन पर सुबह से लेकर

रात तक जिस तरह से लोगों द्वारा उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गई, वह आत्मीयता और प्रेम आज के दौर में सभी के नसीब में नहीं रहती है.वे भी विनम्रता पूर्वक जन्मदिन की शुभकामनाएं देने वालों के प्रति कृतज्ञता जताते हैं. उनका कहना है कि जीवन में उनके लिए यह यादगार प्रसंग रहता है. सामाजिक, धार्मिक कामों में सदैव अग्रणी रहे हैं. वे सदैव कहते हैं कि इन्सान के हाथ में केवल प्रयास करना रहता है, बाकी ऊपरवाले पर छोड़ देना चाहिए.आचार-विचार और संस्कार का जीवन में अत्याधिक महत्व होता है. बच्चों को शिक्षा के साथ ही हमारी जड़ों से जुड़े रहने की शिक्षा भी दी जानी चाहिए. आराधना शोरूम के साथ ही सुख्यात भवन निर्माता के साथ ही सामाजिक और सेवाभाव के कामों में अग्रणी पूरणभैया हबलानी माता-पिता के भक्त हैं. परिवार के प्रेम को सबसे बड़ी ताकत जहां मानते हैं, वहीं दूसरी ओर हबलानी परिवार सेवाभावी कामों में भी दरियादिली के साथ आगे रहता है. सम्पन्नता में भी विनम्रता की जहां यह परिवार प्रतिमूर्ति हैं, वहीं दूसरी ओर नेक कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं.व्यवसाय के साथ ही अन्य क्षेत्रों में भी हबलानी परिवार का योगदान रहता है. भैया कहते हैं कि जो भी काम करें, उसमें स्वयं को झोंक देना चाहिए. वह सदा स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में हम यही कामना करते हैं.

गुरूवार से 5 से 11 मार्च 2026 तक का भविष्य

मेष-राशि के जातकों के लिए यह हफ्ता इमोशनल गहराई से शुरू हो रहा है. आपके राशि स्वामी मंगलदेव अभी कंभ में हैं, लेकिन शुक्र का 2 मार्च को मीन राशि में उच्च होना आपके 12वें घर को प्रभावित करेगा. इससे आपके रिश्तों में दया और संवाद में नरमी आएगी. चंद्रदेव सिंह राशि में रहेंगे, जो आपके कॉन्फिडेंस और क्रिएटिविटी को बूस्ट करेंगे. चंद्रदेव तुला राशि में आने से पार्टनरशिप और इमोशनल बैलेंस पर फोकस बढ़ेगा.

वृषभ-राशि के लिए हफ्ता खुशनमा रहेगा क्योंकि 2 मार्च को शुक्र आपके ग्यारहवें घर यानी मीन राशि में उच्च के हो रहे हैं. वह दोस्ती, उम्मीदों और इमोशनल सपोर्ट को मजबूत करेंगे. चंद्रदेव सिंह राशि में होने से फैमिली मैटर्स और कम्फर्ट को हाईलाइट करेंगे.आपकी क्रिएटिविटी और रोमांस को सपोर्ट करेंगे. मिथुन में बृहस्पति रेट्रोग्रेड होने के कारण अपने फाइनेंस को ध्यान से रिव्यू कर सकेंगे वैसे इस हफ्ते आप चतुर बुद्धि का भी खूब प्रयोग करेंगे.

कर्क-मिथुन राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने का यह सप्ताह उम्मीद की नई रोशनी लाएगा लेकिन शुरूआत में आपको कुछ मानसिक थकान और तनाव का सामना करना पड़ सकता है. कार्यक्षेत्र में आपके कुछ नया बदलाव दिखेगा जो आपको परेशान तो करेगा लेकिन बहुत कुछ सीखने का भी मौका देगा. आपको इस समय अवसर पर नजर बनाए रखने की जरूरत रहेगी. वैसे आपको जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा.

सिंह-कर्क राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने का यह सप्ताह आरंभ में मानसिक उलझन भरा रहने वाला है. राशि स्वामी चंद्रमा सिंह राशि में केतु के साथ युति संबंध बनाएंगे. ऐसे में आपको जोखिम लेने से बचना चाहिए, चोट लगने की आशंका रहेगी और कुछ गलत निर्णय की वजह से मानसिक तनाव भी मिल सकता है. जो जातक तकनीकी कार्य से जुड़े हुए हैं उनको अपनी तकनीकी क्षमता का लाभ मिलेगा.

कन्या-सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित रहने वाला है. सप्ताह के पहले भाग में आपको अधिकारियों से वाद विवाद में उलझने से बचना होगा साथ ही आपको विरोधियो और शत्रओं से भी सतर्क रहना होगा. सरकारी क्षेत्र का कोई काम फंसा है तो आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद से फायदा हो सकता है.

तुला-कन्या राशि के जातकों के लिए फरवरी का पहला सप्ताह सामान्य रूप से अच्छा रहेगा. वैसे इस हफ्ते आपकी सफलता में आपकी चतुर बुद्धि का बड़ा हाथ होगा. आप परंपरा से हटकर कुछ नया आजमाने का प्रयास कर सकते हैं. इस हफ्ते के आरंभ में ही राशि स्वामी बध राह से युति बनाएंगे ऐसे में आप उन क्षेत्रों से भी लाभ का अवसर निकालने में कामयाब होंगे जहां से काम बनने की उम्मीद कम होगी और इसके लिए आप उंगली टेढ़ी भी कर सकते हैं.

वृश्चिक-तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह सुखद और अनुकूल रहेगा. बीमार चल रहे जातकों की सेहत में सुधार होगा. आप सप्ताह के आरंभ से भी सक्रिय और सजग नजर आएंगे. आपको अपने अनुभव और कार्यकुशलता का लाभ मिलेगा. आपकी कोई अटकी योजना पूरी होगी. लव लाइफ में प्रेम और आपसी सामंजस्य बना रहेगा. कोई मित्र आपकी मदद भी कर सकता है. संतान सं संबंधित आपकी किसी चिंता का समाधान होगा.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं. परिवार में किसी के साथ मनमुटाव से बचें . आपका भाग्य चमक सकता है.

मकर-घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर विशेष ध्यान दें.

कुंभ-मार्च महीने का यह पहला सप्ताह लाभ का संयोग बना रहा है. इस हफ्ते राशि से दसवें भाव में मंगल का गोचर होना आपके करियर और कारोबार के लिए शभ रहने वाला है. आपको कुछ अप्रत्याशित लाभ भी प्राप्त होगा. नौकरी में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा. सप्ताह के आरंभ में थोड़ी अधिक व्यस्तता रहेगी लेकिन सप्ताह मध्य का समय आपके लिए रिलैक्स करने वाला वाला रहेगा.

मीन-मीन राशि के लिए यह हफ्ता बहुत ही पावरफुल और शभ है. 2 मार्च को शुक्र आपकी ही राशि यानी फर्स्ट हाउस में उच्च के हो रहे हैं, जो आपके चार्म, क्रिएटिविटी और इमोशनल वार्मथ को बढ़ाएंगे. चंद्रदेव कन्या राशि में आने से पार्टनरशिप और रिश्ते हाइलाइट होंगे. 6 मार्च की रात से चंद्रदेव तुला राशि में जाने से इमोशनल हीलिंग में मदद मिलेगी.

ओम नमो भगवते वासुदेवाय

राज्य में थम गया चक्काजाम का खतरा, ट्रांसपोर्टर माने

नई दिल्ली- महाराष्ट्र परिवहन कार्य समिति (एम-टीएसी) द्वारा ई-चालान और अन्य मांगों के विरोध में बुलाई गई राज्यव्यापी परिवहन हड़ताल राज्य सरकार के लिखित आश्वासन के बाद स्थगित कर दी गई है. परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने ट्रांसपोर्टरों को लिखित रूप में आश्वासन दिया है कि उनकी मांगों पर सकारात्मक विचार किया जाएगा और बजट सत्र के बाद इनका समाधान किया जाएगा.

सरकार ने ट्रांसपोर्टरों से अपील की थी कि पश्चिम एशिया में चल रही युद्ध जैसी स्थिति, स्कूल परीक्षाओं और आगामी राज्य बजट के कारण हड़ताल न की जाए, क्योंकि इससे जनजीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है. एम-टीएसी के प्रतिनिधियों ने बताया कि मंत्री प्रताप सरनाइक के लिखित आश्वासन के बाद हड़ताल स्थगित करने का फैसला लिया गया है.

निजी बस मालिक और परिवहन नेता हर्ष कोटक ने कहा कि सरकार से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है. उन्होंने लिखित आश्वासन दिया है कि मुख्यमंत्री के बजट सत्र में व्यस्त होने के कारण बजट के बाद सभी मांगों पर विचार किया जाएगा. कई हितधारकों को शामिल कर इस मुद्दे का समाधान किया जाएगा और सदन में भी इसकी घोषणा होगी. अगले सप्ताह बैठक होने की संभावना ह.

विदर्भ स्वाभिमान
मानव धर्म, माता-पिता सेवा महात्म्य तथा
राष्ट्रधर्म प्रोत्साहित करने वाला अखबार

आवश्यक नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444
साइबर अपराध	1930

समाज,युवा विकास तथा राष्ट्र धर्म के उदाहरण है लप्पीभैया

धर्म सेवा के साथ ही युवाओं को व्यसन मुक्त करने का उठाया है बीड़ा, आदिवासी कल्याण में भी सक्रिय

विदर्भ स्वाभिमान 4 मार्च

अमरावती- कुछ लोगों का विजन, उनकी दूरदृष्टी के साथ ही परिवार से लेकर राष्ट्र प्रेम तक कोखूबी अलग होती है. सुख्यात समाजसेवी, मधुसूदन ग्रुप के प्रमुख चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया पूरी तरह से राष्ट्र प्रेम और मानवता के प्रेम को समर्पित व्यक्ति हैं. उनका जीवन जहां माता-पिता के आदर्श संस्कार और विचारों से ओतप्रोत है, वहीं समाज सेवा, युवाओं को व्यसन मुक्त करने तथा राष्ट्र के विकास में उनका अधिकाधिक योगदान लेने के साथ ही समाज के हर पीड़ित तक यथासंभव मदद देने का कार्य करते हैं. अमरावती ही नहीं तो राष्ट्रीय स्तर पर उनके सामाजिक कार्यों की दखल लेते हुए अभी तक दर्जनों पुरस्कार प्रदान कर उनके सेवाभाव की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना की गई है. मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस सहित कई राज्य तथा केन्द्रीय नेताओं से संबंध के बाद भी उनकी विनम्रता सभी को आकर्षित करती है.

भारत को युवाओं का देश कहा जाता है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भी युवा पीढ़ी को राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत मानी जाती है. युवाओं की इसी ताकत के बलबूते भारत विश्व गुरू बनने की ताकत रखता है. लेकिन बीते कुछ वर्षों में युवा पीढ़ी व्यसनों में अधिक दिखाई दे रही है. राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिहाज से युवाओं को व्यसनों से परावृत्ति करने के लिए तथा सनातन धर्म के प्रचार के लिए राज्यभर में 108 श्रीमद् भागवत कथाओं का संकल्प लिया है. इन कथाओं को व्यापक प्रतिसाद मिल रहा है. लोगों के इसी प्यार से हिम्मत मिलती है. इस आशय का मत सुख्यात समाजसेवी और धार्मिक कामों में सदैव अग्रणी रहने वाले योगदान देने वाले चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया ने कियाविदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि युवा वर्ग ही किसी भी देश की असली ताकत होती है. अभी तक कई दर्जन प्रदेश तथा राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार प्राप्त करने वाले लप्पीभैया ने बताया कि उनके परिवार में सदैव सामाजिक, धार्मिक के साथ ही राष्ट्र के प्रति यथासंभव योगदान देने का योगदान दिया है. वे कहते हैं कि सकारात्मक सोच से जीवन संवारने में मदद मिलती है. जीवन में प्रभु द्वारा जो जिम्मेदारी दी जाए, उसे बेहतरीन तथा समर्पण भाव से निभाने की मानसिकता रहने पर उसमें कामयाबी निश्चित रहती है. मेहनत, लगन और समर्पण ही कामयाबी का सूत्र होता है. कोई काम छोटा या बड़ा नहीं समझते हुए उसे पूरा करने का प्रयास करना चाहिए. यदि सभी लोग बेहतरीन तरीके से निभाएं तो निश्चित ही जीवन में सफलता के साथ ही समाज और राष्ट्र की सफलता भी तय रहती है. इसलिए जितना संभव हो सके, हम अपने काम के प्रति समर्पित होकर काम करें और सदैव यही भाव रखें कि प्रभु ने हमें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे हम किस तरह से बेहतरीन ढंग से निभा सकते हैं. जीवन में खुशियां और प्रेम बांटने से बढ़ते है". इसके लिए यह भाव रखना चाहिए कि अगर हम किसी को सुख नहीं दे सकते हैं तो दुःख देने का कतई अधिकार नहीं है.

शहर की हर राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक गतिविधि में योगदान देने वाले लप्पीभैया के मुताबिक शिक्षा, संस्कारों से ही व्यक्ति संवरता है. आगामी पीढ़ी के लिए आज शिक्षा के साथ ही संस्कारों की अत्याधिक जरूरत है. आज युवाओं में व्यसनाधीनता काफी हद तक बढ़ रही है.यह राष्ट्र के लिए चिंता का विषय है. युवाओं को सही दिशा देने का काम करने का प्रयास वे कर रहे हैं. जहां भी श्रीमद् भागवत कथा हो रही है, आचार्य द्वारा युवाओं को धर्म के साथ ही व्यसन मुक्ति का संदेश दिया जा रहा है. इसे सफलता भी मिल रही है. कई गांवों में युवाओं द्वारा व्यसन को तोबा करने का संकल्प लिया जाना निश्चित ही गर्व की बात है. युवाओं की ताकत बहुत बड़ी होती है. इसी उम्र में वे हर सफलता प्राप्त कर सकते हैं. जीवन में अच्छी सोच और मेहनत ही हर तरह की कामयाबी दिलाती है. इसलिए सदैव अच्छी सोच के साथ ही दूसरों को खुशी देने का प्रयास करना चाहिए. ऐसा करने से हमारी खुशी बढ़कर हमें मिलती है. जिंदगी किसी चुनौती से कम नहीं है, लेकिन सकारात्मक सोच जिंदगी को खुशनुमा बनाती है.सकारात्मक सोच से ही व्यक्ति आगे बढ़ता है और लोगों को जोड़ता है.

स्थानीय शारदा नगर निवासी लप्पीभैया के घर पर किसी विधायक या सांसद की तरह ही लोगों की सदैव भीड़ रहती है. सुबह से लेकर शाम तक वे जहां व्यस्त रहते हैं, वहीं पतंजलि योगपीठ के अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार लप्पीभैया आज भी स्वास्थ्य के मामले में फिट रहते हैं. उनके मुताबिक जीवन में स्वास्थ्य का अत्याधिक महत्व होता है. व्यसन इसका सबसे बड़ा दुश्मन है. लोगों के काम करने में सदैव अग्रणी रहने वाले चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया की सराहना स्वयं पंडित प्रदीप मिश्रा ने की थी. बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास रखने वाले लप्पीभैया के कारण हजारों युवाओं को रोजगार मिला है, हजारों की मदद कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में भी योगदान दिया है. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और समाजसेवा और युवाओं को व्यसनमुक्त करने के प्रयासों को सफलता मिले, यही कामना.

सभी के प्रेम,अपनेपन का रहूंगा सदैव ऋणी-डॉ.पंकज घुंडियाल

अमरावती- गत 2 मार्च को अपने जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने वाले हजारों मित्रों, लायन्स सदस्यों, मित्रों, जीआरडीसी के सभी कर्मचारियों सहित सभी के प्रति डॉ. पंकज घुंडियाल ने कृतज्ञता जताई है. साथ ही विश्वास जताया कि लोगों का यही प्रेम उन्हें अच्छा करने के लिए प्रेरित करता है. जिनका सदैव साथ मिलता है, मार्गदर्शन मिलता है, ऐसे लोगों के प्रति भी उन्होंने कृतज्ञता जताई. साथ ही विश्वास जताया कि सभी का प्रेम, विश्वास इसी तरह उन्हें मिलता रहेगा. उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्तर के रेडियोडायग्नोस्टिक विशेषज्ञ के रूप में डॉ. घुंडियाल पहचाने जाते हैं. उन्हें मार्गदर्शन करने के लिए राज्य, राष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाओं में आमंत्रित किया जाता है. उनके मुताबिक यह उनका नहीं बल्कि अमरावती जिले का गौरव है. डॉ.पंकज घुंडियाल को सामाजिक कार्यों की प्रेरणा पिता गुरुमुखदास वासुराम घुंडियाल तथा परिवार से मिली. उनके मुताबिक लोगों का प्रेम और गरीबों की दुवाओं के कारण जीवन में सब कुछ हासिल हुआ है.

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क 9423426199/8855019189

भीषण गर्माहट करने लगी है अभी से बेचैन

अमरावती जिले का तापमान 40 डिग्री छूने को बेताब, सबसे अधिक तप रहा है शहर

विदर्भ स्वाभिमान, 4 मार्च

अमरावती- शहर के साथ ही जिले में गर्मी ने गति पकड़ ली है और गर्मी के कारण शीतपेय की दुकानों, गन्ने के रस की गाड़ियों पर लोगो की भीड़ उमड़ने लगी है. राजकमल चौक के दुग्धपूर्णा से लेकर लस्सी की बड़ी संख्या में दुकानें भी सज गई हैं. कुल मिलाकर होली के बाद से तपिश लोगों को झुलसाने लगी है. इस दौरान ध्यान देने और अधिकाधिक पानी पीने की सलाह डाक्टरों द्वारा दी जा रही है.

शहर में गर्मी की तीव्रता का अनुभव रंगपंचमी के दिन से ही शहरवासियों को होने लगा है. मंगलवार के बाद बुधवार को भी जबर्दस्ती गर्मी ने सभी को त्रस्त किया. गर्मी की बढ़ती तीव्रता का असर शहर के व्यस्ततम क्षेत्रों में भी दिखाई देना लगा है. शहर के जयस्तंभ चौक, जवाहर गेट, राजकमल चौक, गाड़गे नगर, नवाथे प्लॉट चौक पर भी बुधवार की दोपहर 12 से 5 बजे तक वाहनों की संख्या में भी कमी स्पष्ट दिखाई दे रही थी. अमरावती का बुधवार को अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस तथा अमरावती का न्यूनतम तापमान 18.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

शहर में पिछले दो दिनों से गर्मी ने असर दिखाना शुरू कर दिया है. गर्मी का असर मानव के साथ ही पशु-पक्षियों पर भी दिखाई दे रहा है. मंगलवार को भी जमकर गर्मी ने सभी को त्रस्त किया. गर्मी की तीव्रता का असर बाजार पर भी दिखाई दे रहा है. दोपहर में सन्नाटे वाली स्थिति शहर के प्रमुख बाजार क्षेत्रों में है.

जिला इस बार भी गर्मी की तपिश झेलने की नौबत आने वाली है. यद्यपि फिलहाल गर्मी का असर नहीं दिखाई दे रहा है. लेकिन आगामी दिनों में गर्मी की तीव्रता बढ़ने की संभावना है. पिछले सप्ताह एक दिन विदर्भ में अमरावती सबसे अधिक गर्म रहा.

रविवार के दिन विदर्भ में अमरावती तथा वर्धा सबसे अधिक तपा. दोनों ही शहरों का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तथा अमरावती का न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. प्रादेशिक मौसम केन्द्र से मिली जानकारी के मुताबिक रविवार को अमरावती का तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 18.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

शहर में पिछले दो दिनों से गर्मी ने असर दिखाना शुरू कर दिया है. इसके चलते अभी तक पंखे के भरोसे काम चलाने वालों ने भी रविवार को कूलर की साफ-सफाई के साथ ही कूलर की जांच कर उसे शुरू कर दिया है. गर्मी की तीव्रता जहां बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर एक दिन बढ़ने और दूसरे दिन घटने के कारण हाथ-पैर में दर्द, थकावट के साथ ही सर्दी-खांसी बुखार की समस्या से बच्चों तथा बुजुर्गों के साथ सभी को जूझना पड़ रहा है.

दोपहर के समय सड़कों पर बाकी दिनों की तुलना में वाहनों की संख्या में कमी आयी है, जबकि बाजारों में भीड़ भी दोपहर की बजाय शाम 6 बजे के बाद खरीदी में विश्वास करने लगी है. तेज धूप और लू के कारण लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं. अस्पतालों में गर्मी से जुड़ी शिकायतों जैसे डिहाइड्रेशन, सिरदर्द और थकान के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है.विदर्भ में भी अकोला के साथ ही नागपुर, चंद्रपुर, ब्रह्मपुरी, वाशिम, यवतमाल तथा बुलढाणा में भी गर्मी असर दिखाने लगी है. लोगों से गर्मी से स्वयं को बचाने तथा अधिकाधिक पानी पीने का आग्रह डॉ.नंदकिशोर भुताड़, डॉ.प्रशांत अडगोकार ने किया है.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटस्चे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट
संजय
एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू
मैदान,अमरावती.फोन
2564125,2674048

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी. शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य 1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर
9881388450